भारतीयदर्शनम्/भारतीयदर्शन
(247)
शिक्षक-अंकितमूल्यांकन-पत्रम्/
शिक्षक-अंकितमूल्यांकन-पत्र

पूर्णांका:/पूर्णांक – 20

निर्देशा : (i) सर्वे प्रश्ना: अनिवार्या:। प्रश्नानुसारम् अङ्का: समक्षे निर्देशिता:।
(ii) उत्तरपुस्तिकाया: प्रथमपृष्ठे स्वनाम, अनुक्रमांकसंख्या, शिक्षणकेन्द्रस्य नाम इति सर्वं लेखनीयम्।

निर्देश : (i) सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। प्रश्नों के अनुसार अंक सामने दिए गए हैं।
(ii) उत्तर पुस्तिका के प्रथम पृष्ठ पर अपना नाम, अनुक्रमांक संख्या, अध्ययन केंद्र का नाम लिखिए।

1. कस्यचिदेकस्य प्रश्नस्य उत्तरं 40-60 शब्देषु लिखत- **2**

(क) मानवः कथं जीवनशैलीं निर्धारयति? (दृष्टव्य पाठ-1)

(ख) दर्शनस्य आवश्यकताम् उपपादयत। (दृष्टव्य पाठ-1)

किसी एक प्रश्न का उत्तर 40-60 शब्दों में लिखिए-

(क) मानव कैसी जीवनशैली का निर्धारण करता है? (दृष्टव्य पाठ-1)

(ख) दर्शन की आवश्यकता को रेखांकित कीजिए। (दृष्टव्य पाठ-1)

2. कस्यचिदेकस्य प्रश्नस्य उत्तरं 40-60 शब्देषु लिखत- **2**

(क) कतिविधः वैदिकः धर्मः। भेदान् लिखत। (दृष्टव्य पाठ-2)

(ख) मुण्डकोपनिषदि विद्याविभागः कीदृशः। (दृष्टव्य पाठ-2)

किसी एक प्रश्न का उत्तर 40-60 शब्दों में लिखिए-

(क) वैदिक धर्म कितने हैं? उनके भेदों को लिखिए। (दृष्टव्य पाठ-1)

(ख) मुण्डकोपनिषद को विद्या विभाग किस प्रकार का है? (दृष्टव्य पाठ-1)

3. कस्यचिदेकस्य प्रश्नस्य उत्तरं 40-60 शब्देषु लिखत- **2**

(क) चार्वाकाणां मते सुखस्य स्वरूपं किम्। (दृष्टव्य पाठ-7)

(ख) चार्वाकमते कति प्रमाणानि सन्ति? तेषां विषये टिप्पणी लिखत। (दृष्टव्य पाठ-7)

किसी एक प्रश्न का उत्तर 40-60 शब्दों में लिखिए-

(क) चार्वाक के मत में सुख का क्या स्वरूप है? (दृष्टव्य पाठ-7)

(ख) चार्वाक के मत में कितने प्रमाण हैं? उनके विषय में एक टिप्पणी लिखिए। (दृष्टव्य पाठ-7)

4. कस्यचिदेकस्य प्रश्नस्य उत्तरं 100-150 शब्देषु लिखत- **4**

(क) सव्यभिचारं हेत्वाभासं सभेदं सोदाहरणं च व्याख्यायत। (दृष्टव्य पाठ-10)

(ख) वैशेषिकदर्शनस्य आचार्यपरम्पराया विषये विस्तरेण वर्णयत। (दृष्टव्य पाठ-11)

किसी एक प्रश्न का उत्तर 100-150 शब्दों में लिखिए-

(क) सव्यभिचार हेत्वाभास के भेदों की उदाहरण सहित व्याख्या कीजिए। (दृष्टव्य पाठ-10)

(ख) वैशेषिक दर्शन की आचार्य परम्परा के विषय में विस्तार से वर्णन कीजिए? (दृष्टव्य पाठ-11)

5. कस्यचिदेकस्य प्रश्नस्य उत्तरं 100-150 शब्देषु लिखत- **4**

(क) प्रामाण्यविषये मीमांसकानां वा सांख्यानां मतं निरूपयत। (दृष्टव्य पाठ-14)

(ख) वेदान्तस्य अनुबन्धचतुष्टयं विस्तरेण वर्णयत। (दृष्टव्य पाठ-17)

किसी एक प्रश्न का उत्तर 100-150 शब्दों में लिखिए-

(क) प्रामाण्य के विषय में मीमांसकों अथवा सांख्य दर्शन के अनुयायियों के मतों का निरूपण कीजिए। (दृष्टव्य पाठ-14)

(ख) वेदान्त के अनुबंध-चतुष्टय का विस्तार से वर्णन कीजिए। (दृष्टव्य पाठ-17)

6. अधोलिखितेषु कमपि एकं विषयमधिकृत्य परियोजना-विवरणं लिखत । **6**

(क) वेदान्ते कति प्रमाणानि? के च ते? विस्तरेण विवेचयत। (दृष्टव्य पाठ-18)

(ख) बिम्बप्रतिबिम्बवाददिशा ईश्वरस्वरूपं किम्? विस्तरेण विवेचयत। (दृष्टव्य पाठ-19)

नीचे दिए गए किसी एक विषय पर परियोजना रूप में विवरण दीजिए-

(क) वेदान्त में कितने प्रमाण स्वीकृत हैं? उनके नाम लिखिए तथा विस्तार से विवेचना कीजिए। (दृष्टव्य पाठ-18)

(ख) बिम्बप्रतिबिम्बवाद के अनुसार ईश्वर का क्या स्वरूप है? विस्तारपूर्वक विवेचना कीजिए। (दृष्टव्य पाठ-19)